

कार्यालय—निदेशक, माध्यनिक विभाग, राजस्थान एवं उत्तर

त्रिमात्र—प्राप्तिका / वर्ण / वर्णनात्मक / शब्द-१ / वर्णनात्मक / १९-१९

ମହାନ୍ତିକ ଲିଳା ଦର୍ଶନ

प्राचीन भारतीय संस्कृत

卷之三

—**प्राचीन विद्या के लिए इसका अध्ययन बहुत ज़रूरी है।**

三

(३) सर्वीक युवान
उपनिषदेकापात्रविभाग
मानविक, विद्या, वाचवान
विद्यावाच

प्राचीन विद्या की अवधि में इसका उल्लेख है।

1. विदि सर्वे, माननीय विका नदी गोदावरी गवत्तर, वायुः ।
 2. विहित वर्णनम् विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य ।
 3. विदि वास्तव, गोदावरी विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य ।
 4. विदि वास्तव—वृक्षं विका (पुरी) विका वायुम् विवेच्य ।
 5. विदि वास्तव विवेच्य विवेच्य विवेच्य विवेच्य ।

प्राचीन भारतीय संस्कृत